सत्ता की कुर्सी, जनता की फ़ाइल

पुराने समय की बात नहीं है, बल्कि उस समय की है जब 'समय' फ़ोन पर नहीं, सरकारी कार्यालयों की घड़ियों में अटका पड़ा था। यह कहानी है राम-राज्य-नगर के पंचायत भवन की, जो किसी कबाड़खाने से कम नहीं था। जहाँ की दीवारों पर लगे जालें खुद को ऐतिहासिक मानती थीं, और कोने में बैठा बूढ़ा, लठमार, और ज़िद्दी इंसान, श्री ज्ञानप्रकाश उपाध्याय, खुद को इतिहास का रक्षक मानता था। ज्ञानप्रकाश की कुर्सी नहीं थी, बल्कि एक टूटा हुआ तखूत था, जिस पर वो ऐसे विराजमान थे, जैसे कोई राजा अपनी प्रजा को देखता हो। उनकी दाढ़ी का एक-एक बाल इस तरह उनके पेट में जा समाया था, जैसे किसी सरकारी योजना का पैसा। उनके लिए विकास का मतलब था विकास शब्द को अपनी फ़ाइल पर लिखना, और फिर उस पर बैठकर कुंडली मार लेना। अरे ओए! ज़रा सुन, आज के नौजवानों, वे अपनी खाँसती हुई आवाज़ में कहते, हमारे जमाने में तो हम फ़ाइल को खुद लाते थे, उसे खुद ही ले जाते थे, और तब भी 25 साल बाद रिटायर होते थे। और तुम हो कि एक फ़ाइल के लिए दिन-रात मिमियाते रहते हो। उनकी आँखों में एक अजीब सी चमक थी, जो सिर्फ़ किसी युवा की उम्मीद को तोड़ कर ही पैदा होती थी। उनकी मेज पर धूल की मोटी चादर थी, जिस पर सौर-ऊर्जा सिंचाई योजना नाम की एक फ़ाइल रखी थी। वो उस पर इस तरह आसन जमाए बैठे थे, मानो किसी पुराने, बुजुर्ग ने किसी ख़ज़ाने को छिपा रखा हो।

इस फ़ाइल के आसपास मंडराने वाले तीन बेचारे नौजवान थे, माफ़ कीजिएगा, बेचारे नौजवान नहीं, बल्कि गाँव के पढ़े-लिखे बेरोजगार थे। उनके नाम थे सुरेश, रमेश, और महेश। सुरेश के पास किसान का सपना था, रमेश के पास इंजीनियरिंग की डिग्री थी, और महेश के पास था एक कलाकार का दिल। ये तीनों इस सौर-ऊर्जा योजना के लिए कई महीनों से इस पंचायत भवन के चक्कर काट रहे थे। इनकी युवा शक्ति, इनकी सारी उम्मीदें, ज्ञानप्रकाश की उस मेज के सामने धरी की धरी रह गई थीं। इनका संवाद, जो आज की कॉर्पोरेट भाषा में था, ज्ञानप्रकाश के लिए किसी अधार्मिक भाषा जैसा था। यार, इस फ़ाइल में तो हमारे फ्यूचर की पूरी कुंडली है, सुरेश कहता, लेकिन ये कुंडली तो 'हॉरर' फ़िल्म की तरह लग रही है, जिसका अंत बहुत बुरा होने वाला है। रमेश मुस्कुराता और अपने दिल का हाल बयां करता, ये तो बिल्कुल 'डॉग इन द मेंजर' वाला केस है। ज्ञानप्रकाश खुद तो योजना का लाभ लेते नहीं, और हमें भी नहीं लेने देते। उनके ये फिल्मी डायलॉग सुनते ही ज्ञानप्रकाश का पारा चढ़ जाता। अबे! कौन है वो डॉग? और कौन सा मेंजर? हमारी हिंदी भाषा की इन्होंने तो बैंड बजा दी है। तुम्हारी भाषा तो न घर की है न घाट की, ज्ञानप्रकाश अपनी आवाज़ में एक ऐसी कड़वाहट घोलते, जो सुनने वाले के कानों में सीधे ज़हर की तरह उतर जाती। बेचारे युवक, जिनका पेट खाली था और मन में निराशा की गहरी खाई थी, बस देखते रह जाते।

एक दिन सुरेश ने हिम्मत की और सीधे ज्ञानप्रकाश के सामने जाकर बोला, ज्ञानप्रकाश जी, हम सब इतने पढ़े-लिखे हैं। इंजीनियरिंग, एम.ए., और खेती की पूरी जानकारी भी रखते हैं। अगर ये 'सौर-ऊर्जा योजना' की फाइल आगे बढ़ जाए, तो हमारे गाँव की खेती में क्रांति आ सकती है। सुरेश की बात सुनकर ज्ञानप्रकाश ने अपनी आधी खुली आँखें पूरी तरह खोलीं, जैसे कोई पुराना, ज़ंग लगा दरवाज़ा खुला हो। उनका चेहरा ऐसे भावों से भर गया मानो सुरेश ने उन्हें कोई राज़ बता दिया हो। ओह! तो तुम सब पढ़े-लिखे हो? मुझे क्या मालूम? तुम तो बस यहाँ आकर टाइम पास करते हो। वो कटाक्ष करते हुए कहते। अब तुम क्या करोगे इस फाइल का? ये तो सरकार की फाइल है, इसका क्या करोगे? वो इस तरह से पूछते मानो वो कोई निजी ज़मीन हो, जिसे उन्होंने अपने पुश्तैनी अधिकार से हासिल किया हो। उन्हें यह पसंद था कि उनकी कहानी का 'हीरो' वही हैं, और बाकी सब फालतू हैं। ये फाइल तो मैं अपने पोते के लिए रख रहा हूँ, उन्होंने एक दिन रमेश से कहा, जब मेरा पोता बड़ा होगा, तो वो इस फ़ाइल को पढ़कर जानेगा कि हमारी सरकारें क्या-क्या योजनाएँ बनाती हैं। वो भूल चुके थे कि उनके पोते भी एक दिन ऐसी ही फाइलों के लिए दर-दर भटकेंगे, और तब शायद कोई उनके जैसा ही ज्ञानप्रकाश उनके पोते को भी भटकाएगा। पर उन्हें यह बात समझनी नहीं थी, क्योंकि उन्हें तो बस अपनी सत्ता, अपने अहंकार और अपने 'पेट में दाढ़ी' का रुतबा पसंद था।

हैं, ज्ञानप्रकाश जी, महेश ने एक दिन उनकी चरण वंदना करते हुए कहा। आप हमें आशीर्वाद दीजिए ताकि हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें। ज्ञानप्रकाश ने तुरंत उसे रोक दिया, ये सब फ़िल्मी डायलॉग मुझसे मत मारो। हम 'बाप' नहीं, हम तो सरकार के नुमाइंदे हैं। और मैं तुम्हें आशीर्वाद नहीं, बल्कि 'अधिकार' दे रहा हूँ, ताकि तुम यहाँ आ-जा सको। उनका यह कटाक्ष किसी तलवार की धार से कम नहीं था। उनकी हर बात में एक व्यंग्य होता था, एक मजाक होता था, जो सामने वाले की हँसी नहीं, आँसू निकाल देता था।

धीरे-धीरे, इस निराशा का एक गहरा असर उन युवकों पर पड़ने लगा। जिस सुरेश ने किसान बनने का सपना देखा था, जिसने गाँव में क्रांति लाने की बात की थी, अब वो शहर की एक कंस्ट्रक्शन साइट पर दिहाड़ी मजदूर बन गया था। एक दिन जब वो काम कर रहा था, तब उसके पुराने दोस्त ने पूछा, सुरेश, तेरी खेती की पढ़ाई का क्या हुआ? सुरेश ने बस मुस्कुरा दिया। उसकी मुस्कान में दर्द, निराशा, और एक गहरी हार थी। वो सिर्फ हँस रहा था, क्योंकि उसके पास अब रोने के लिए भी कोई कारण नहीं बचा था। दूसरी ओर, महेश, जो कलाकार था, अब अपनी कला को शराब में डुबोने लगा था। उसकी कला में अब रंगों की जगह, एक गहरा कालापन आ गया था।

एक दिन, जब सब्र का बाँध टूट गया, तो रमेश ने अपनी पूरी ताकत लगाकर ज्ञानप्रकाश से कहा, ज्ञानप्रकाश जी, आप क्यों ऐसा कर रहे हैं? आप इस फाइल को आगे क्यों नहीं बढ़ने देते? हम सब भूखे मर रहे हैं, हमारे परिवार भूखे मर रहे हैं। रमेश की आँखों में आँसू थे, पर ज्ञानप्रकाश ने उसे नज़रअंदाज करते हुए कहा, ये सब ड्रामेबाज़ी मेरे सामने मत करो। आप तो वो कुत्ता हैं, जो नाद में बैठ कर घोड़ों को घास नहीं खाने देता, रमेश ने कहा। ज्ञानप्रकाश ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया। उन्हें लगा कि ये कोई नया, अजीब सा मुहावरा है, जो आज के बच्चों ने बनाया है। ये क्या 'डॉग' 'डॉग' कर रहा है? मुझे कोई कुत्ता कहता है? मैं कुत्ता हूँ? मैं तो सरकार का एक सम्मानित नागरिक हूँ। और ये जो फाइल है, ये मेरी निजी संपत्ति है, ज्ञानप्रकाश गुस्से से लाल हो गए, उनका चेहरा किसी उबले हुए टमाटर जैसा दिख रहा था। उन्होंने फ़ाइल को जोर से अपनी छाती से लगा लिया, जैसे किसी बच्चे ने अपनी प्रिय खिलौना छिपा रखा हो। अरे ओ! तुम सब निकल जाओ यहाँ से, और मुझे अपनी शांति से जीने दो। उनकी इस बात ने उन युवकों के दिल को इस तरह तोड़ा, जैसे कोई शीशा टूट कर बिखर गया हो। उनकी सारी उम्मीदें, सारे सपने, सब उसी पल में टूट गए। वे सब चुपचाप वहाँ से चले गए, उनकी आँखों में अब कोई आँसू नहीं थे, बस एक गहरी, भयानक, और दर्दनाक ख़ामोशी थी। उस दिन के बाद पंचायत भवन में सन्नाटा छा गया। सुरेश का किसान पिता फसल खराब होने के बाद आत्महत्या कर बैठा। रमेश ने गाँव को हमेशा के लिए छोड़ दिया। महेश एक रात शराब के नशे में अपनी ही बनाई हुई एक दर्दनाक पेंटिंग के पास मरा हुआ पाया गया। गाँव में सौर-ऊर्जा योजना की कोई बात नहीं हुई। ज्ञानप्रकाश अब भी अपनी कुर्सी पर बैठे थे, उस धूल भरी फ़ाइल को अपनी गोद में लिए। वो खुश थे। सबसे दुखद बात यह है कि उनके जैसे कई ज्ञानप्रकाश, आज भी ऐसी ही फाइलों पर बैठकर, दुनिया को बर्बाद कर रहे हैं। इस बात को सोचकर सिर्फ आँखें ही नहीं, बल्कि आत्मा भी रोती है।

मुख्य मुक्तिधाम को नवविकास की धारा से जोडकर सुसज्जित किया गया

देवास,अंतिम यादव। शहर के मुख्य मुक्तिधाम को पूर्णरूपेण विकसित कर इसको सुसज्जित करने की दिशा मे नगर निगम द्वारा इसको नव स्वरूप प्रदान किया गया है। यहां पर पूर्ण हो चुके कार्यो का अवलोकन महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के साथ करने के पश्चात महापौर ने बताया कि शव दाह संस्कार स्थल के उपरी हिस्से के शेड मे 100 नवीन पतरों को बदला जा चुका है।

प्रवेश द्वारों को आकर्षक रंगाई पुताई कर नवीनीकृत किया गया है। यहां पर मुख्य हिस्से मे स्थित बगीचे के मध्य के हिस्से मे प्रार्थनासभा स्थल जाने हेतु पेवर्स ब्लाक्स लगाये जा चुके है। यहां पर श्रद्धांजली सभागृह को पूर्णरूपेण नवीनीकरण, इसके शेडस् की रंगाई पुताई कर इसमे धरातल पर पुरानी खराब हो चुकी टाईल्स के स्थान पर नवीन टाईल्स लगाकर दाह संस्कार मे आने वाले लोगों की बैठक सुविधाओं हेतु कुर्सियां स्थापित की गई है तथा यहां पर 6 पंखे लगाये गये है।

मुक्तिधाम मे नवीन विद्युत व्यवस्थाओं मे दाह संस्कार स्थल के सम्मुख हाईमास्ट लगाया जा चुका है साथ ही प्रवेश द्वार के आंतरिक हिस्से तक दोनो भाग मे 22 विद्युत पोल्स लगाकर इसमे आकर्षक विद्युत सज्जा के लेम्प लगाये गये है। साथ ही रामधुन बजने हेतु 15 स्पीकर जो प्रातरू 9 बजे से सांय तक संचालित होगें। यहां से निकली पुरानी जीर्णशीर्ण कुर्सियों को रिपेयर कर रंग रोगन कर बगीचे मे बैठक व्यवस्था हेतु लगाई गई है तथा यहां पर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिये गये गीता के उपदेश की आकर्षक चित्रकारी भी की जा चुकी है।

यहां पर जर्जर हो चुके सुविधा घर को तोडकर यहां पर सीमेंट कांक्रीट किया गया है। साथ ही शवदाह के पास अनुपयोगी सामग्री हेतु डस्टबीन भी रखवाये गये है। यहां पर नर्मदा लाईन को जोडा गया है ताकि आने वाले लोगों को पेयजल की उचित सुविधा मिल सके।

कच्चे शमशान की जगह कम पडने पर प्रस्ताव तैयार कर जिला प्रशासन को भेजकर कार्यवाही करने हेतु कहा गया है। मुक्तिधाम का सिमांकन किया जा चुका है। शीघ्र ही सुरक्षा दीवार भी बनाई जावेगी।

वर्षाकाल मे शवदाह हेतु लकडी, कण्डे, शेडस् पर दो नये द्वार लगाये गये है। यहां पर लकडी कण्डे की व्यवस्था पर्याप्त करने के निर्देश जारी किये गये। मुक्तिधाम मे सुरक्षा की दृष्टि से सीसी टीवी केमरे भी लगाये गये है। जिनको मुक्तिधाम कार्यालय एवं निगम के कन्ट्रोल रूम से जोडा गया है।

इसी प्रकार मितव्यवता को दृष्टिगत रखते हुये मुक्तिधाम के भितरी हिस्से से निकाले गये पुराने पेवर्स ब्लाक मुक्तिधाम के बाहर के मार्ग के एक हिस्से मे लगाया जा रहा है। जिससे मार्ग मजबूत होगा तथा नगर निगम द्वारा इसमे कोई धनराशि व्यय नही की गई है। मुक्तिधाम मे किये गये विकास एवं अन्य कार्यो को करने हेतु निगम द्वारा प्रथक प्रथक कार्य की निविदायें आमंत्रित कर विभिन्न ऐजेंसियों एवं ठेकेदरों के माध्यम से कार्य करवाया गया है।

इस दौरान महापौर के साथ निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिह बैस, लोक निर्माण समिती अध्यक्ष गणेश पटेल, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि निलेश वर्मा, अजय पडियार, निगम उपायुक्त जाकीर जाफरी, स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया, स्वास्थ्य निरीक्षक हरेन्द्रसिह ठाकुर, उपयंत्री मुशाहीद हन्फी आदि उपस्थित रहे।

आज एवं शनिवार को चिकन, मॉँस, मछली व पशुवध गृह व्यवसाईक प्रतिष्ठान बंद रहेगें

देवास,अंतिमयादव। स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के विशिष्ट अवसर पर शुक्रवार एवं शनिवार 15 अगस्त एवं 16 अगस्त को निगम सीमा क्षेत्र में स्थित समस्त पशु वध ग्रह एवं चिकन, मॉँस मटन एवं मछली विक्रय की दुकाने, व्यावसायिक प्रतिष्ठान होटल बंद रखने के निर्देश नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा के द्वारा निगम के खाद्य निरीक्षक हरेंद्र सिंह ठाकुर को प्रदान किए गए हैं।

आयुक्त के निर्देशों के पालन में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के समस्त चिकन मटन व्यापारियों को सूचना पत्र जारी किये जाकर शुक्रवार एवं शनिवार 15 अगस्त एवं 16 अगस्त को चिकन मटन के प्रतिष्ठान और होटल बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं तथा उन्हें आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है।

निर्देशों का पालन नहीं करने की दशा में नगर निगम द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 254 की उप धारा (1) में उल्लेखित नियमों के अंतर्गत कार्रवाई प्रस्तावित की जावेगी।

2 दिन पुर्व थाना मानपुर अंतर्गत जंगल में मिली अज्ञात लाश, हत्या का खुलासा

पिता पुत्र, हत्या व लाश छुपाने में गिरफ्तार

महू (इंदौर समाचार) 2 दिन पूर्व मानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मिली युवक की अज्ञात लाश का पुलिस द्वारा खुलासा किया गया । घटना इस प्रकार है। दिनांक 12.08.2025 को भीमा गिरवाल चौकीदार ग्राम बिचौली की रिपोर्ट पर अज्ञात मृतक के संबंध में थाना मानपुर में मर्ग क्र. 65/2025 पंजीबद्ध किया गया था जो अज्ञात मृतक की लाश बिचौली जंगल में साडी से लपटी, दो प्लास्टिक के बोरो में ऊपर नीचे से पैक किया गया था और सागौन के पतो से ढक दिया था।

घटना की परिस्थिति को देखते हुए किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतक की हत्या कर पहचान छुपाने के उद्देश्य से लाश को जंगल में फैक दिया था मृतक के सिर पर चोट थी, अज्ञात मृतक की जानकारी लेते, उसकी पहचान हर्ष उर्फ डमरु पिता मुकेश छारेला जाति भील उम्र 21 साल निवासी 62 संजय गाँधी कॉलोनी महू के रूप में की गयी और ग्राम बिचोली में गोलू वास्केल के यहां आता जाता रहता था। जो उक्त संदेही की तलाश करने पर फरार हो गया था। मर्ग जांच के बाद अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रं. 315/2025 धारा 103 (1),238,3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी महू के नेतृत्व में थाना मानपुर की टीम का गठन किया गया और प्रकरण के संदेही गोलू वास्केल को टाण्डा धार से हिरासत में लेकर पुछताछ की गयी जिसके द्वारा अपने पिता भागीरथ वास्केल के साथ मिलकर मृतक हर्ष छारौल के सिर पर पत्थर मारकर घर ग्राम बिचौली में हत्या कर दी और लाश को बोरो भरकर व साडी में लपेट कर जंगल में फैक आए।

आरोपी ने यह बताया कि मृतक हर्ष छारौल का अच्छा दोस्त था और मृतक उसे किसी से भी मिलने जुलने व बात करने से रोकता था दिनांक 10.08.2025 को आरोपी से मिलने उसका दोस्त आया था जिसे देखकर मृतक हर्ष भड़क गया था और आरोपी को सबके सामने भला बुरा कहा था उसके बाद उक्त बात को लेकर दिनांक 11.08.2025 को रात्रि 09-10 बजे आरोपी गोलू वास्केल व मृतक का पुनः लडाई झगडा वाद विवाद हुआ जो आरोपी के द्वारा मृतक की आये दिन की हरकते से देखकर परेशान हो गया था जिस कारण मृतक को रास्ते से हटाने के लिए अपने घर के पीछे पत्थर मारकर हत्या कर दी और अपने पिता के साथ मिलकर लाश को जंगल में छुपा दिया। आरोपी गोलू वास्केल व उसके पिता भागीरथ वास्केल को पुलिस द्वारा गिराफ्तार किया गया और पुलिस रिमाण्ड हेतु न्यायालय पेश किया गया।

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी मानपुर निरीक्षक लोकेन्द्र सिंह हिहोर, उनि. त्रिलोक बोरासी, उनि त्रिलौक बरकडे, सउनि प्रेमसिंह डामौर, आर. सुशांत व अन्य स्टाफ थाना मानपुर का सराहनीय योगदान रहा।

मध्यप्रदेश सीनियर महिला इंटर डिस्ट्रिक्ट स्टेट लेवल चैंपियनशिप में इंदौर की टीम अगले दौर में

महू (इंदौर समाचार) मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा सीहोर में दिनांक 10 अगस्त से 28 अगस्त 2025 तक सीनियर महिला इंटर डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है।

स्पर्धा में मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ से एफिलेटेड 15 टीम में भाग ले रही हैं, जिसमें से 10 जिला फुटबाल संघ और पांच क्लब भाग ले रहे हैं।

स्पर्धा के तीसरे दिन का पहला मैच इंदौर जिला फुटबाल संघ और ग्वालियर जिला फुटबाल संघ के मध्य खेला गया।

मैच के प्रारंभ से ही इंदौर टीम ने अपनी ख्याति के अनुरूप आक्रामक रुख अपनाकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत बनाकर 9- 0 से जीत दर्ज की

इंदौर जिला फुटबाल संघ अध्यक्ष दीपक जोशी, सचिव लोकेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, एकता बाथम,मोहम्मद इस्लामुद्दीन, आता शकील, श्री सुरेश वैद्य,शैलेंद्र वर्मा, रमन वर्मा, अलंकार रायकवार,शरद सिलावट, डैनी हतुनिया, शशि यादव ,अमन वैद्य, सचिन शर्मा, सीनियर महिला इंदौर टीम के कोच और मैनेजर विवेक श्रीवास ने टीम को बधाई प्रेषित की।

इंदौर टीम का अगला मैच सीहोर के विरुद्ध दिनांक 16 अगस्त 2025 को खेला जाएगा।

गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षा

राऊ । राष्ट्रीय आयुष मिशन के जन स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राऊ में गर्भवती महिलाओं को सुप्रजा के तहत किस प्रकार का खान पान तहां सहन यौगिक गतिविधि आवश्यक हे इस पर महिला चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा उचित परामर्श दिया गया ।

अधीक्षक डॉ जगदीश पंचोली ने बताया को प्रसूति ओर स्त्री रोग विभाग के सौजन्य से यह अभियान रोजाना चलाया जा रहा हे । जिसमें दूरस्थ ग्रामीण अंचल की महिलाए बढ़ चढ़ कर चेकअप कराती हे । जन्माष्टमी के पर्व के अवसर पर श्रीकृष्ण का पूजन अर्चना हुई और उत्तम स्वास्थ्य संतान प्राप्ति की मंगलकामना दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । डॉ प्रीत बागड़ी, डॉ सारिका, दे मोनिका, डॉ सरिता, डॉ भारत शर्मा, डॉ अर्चना विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्टून कोना..........

अहिल्योत्सव में प्राथमिक स्तर की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता संपन्न

महू (इंदौर समाचार) अहिल्या उत्सव के अंतर्गत गुरुवार को गुरुतेग बहादुर विद्यालय में प्राथमिक स्तर की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 25 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अहिल्याबाई, झांसी की रानी, महाराणा प्रताप, आदि अनेक महापुरूषों की वेशभूषा मे सुंदर प्रस्तुति दी।

प्रतियोगिता के अतिथि गुरू तेगबहादुर विद्यालय की संचालन समिति के हरजीतसिंह भाटिया एवं किरण गोयल थे।निर्णायक रूपल मेठी,ज्योति त्रिवेदी एवं अनिता शर्मा थी। कार्यक्रम का सुंदर संयोजन हेमा रावत, वंदना नेगी एवं कविता वर्मा ने किया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से मनीषा शर्मा,सविता खंडेलवाल ,रंजना आमेरिया, अंजू तायल , प्रतिभा चौरसिया,करूणा लुहारिया,अभिलाषा गुप्ता,शीतल तिवारी आदि ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन अंशु गुप्ता ने किया एवं आभार हेमा रावत ने माना।

निर्णय इस प्रकार है प्रथम पुरस्कार लविका व्यास, गुरू तेगबहादुर विद्यालय,द्वितीय शिवांगी पाटीदार श्री एकेडमी , तृतीय जीवा वर्मा श्री एकेडमी ,प्रोत्साहन पुरस्कार कुलदीप तापड़िया माहेश्वरी विद्यालय एवं कु. प्रिशा गुरू तेगबहादुर को प्राप्त हुआ ।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार में दलितों पर लगातार अत्याचार बढ़ रहे हैं

देवास,पवन यादव। हाल ही में एक ऐसी घटना देवास में हुई जिसमें दलित समाज के तीन युवकों के साथ पुलिस ने बर्बरता पूर्वक मारपीट की गई, युवकों ने अस्पताल में शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी एवं कांग्रेस जनों को बताया कि हम लोग मूर्ती बुक करने गए थे उस समय दोपहर 3ः30 बज रहा था।

किंतु कुछ असामाजिक तत्वों ने बन रही मूर्तियो को खंडित किया और शहर के वातावरण को बिगा ड़ने की कोशिश, जिन लोगों के साथ यह मारपीट हुई है उन्हें काफी गंभीर चोट आई है, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी , पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव , पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के निर्देश पर शहर कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल पीड़ित युवकों से मिलने के लिए जिला चिकित्सालय में गया था।

कांग्रेस जनों ने पीड़ितों के साथ-साथ उनके परिजनों से भी बात की, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इस प्रकार अमानवीय अत्याचार, मारपीट जानवर के साथ भी नहीं होती है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो वास्तविक मूर्ति तोड़ने वालो को पकड़ा जाये व दलित युवकों के साथ मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की जावे।

सिस्ट्रो टेलीलिंक लिमिटेड

CIN: L19201MP1992PLC006925

पंजीकृत पताः 206, एरियन हाईट्स, ए.बी. रोड इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत, 452010 फोन : 0731-2555022
Fax No. : 0731-2555722, Email id: cistrotelelink@gmail.com, website : cistrotelelink.com

30.06..2025 को समाप्त तिमाही के गैर अंकेषित वित्तीय परिणाम रुपये लाख में

क्रमांक	विवरण	तिमाही समापन 30.06.2025	(31.03.2025) (ईयर टू डेट फिगर्स/ प्रीवियस ईयर एडिंग)	तिमाही समापन 30.06.2024
		गैर अंकेषित	अंकेषित	गैर अंकेषित
1.	संचालनों से कुल आय	2.15	13.03	5.41
2.	अवधि का शुद्ध लाभ/(हानि) (अपवाद एवं/अथवा असाधारण मदों पर कर से पूर्व)	-9.17	-16.46	-4.69
3.	कर पूर्व अवधि का शुद्ध लाभ/(हानि) (अपवाद एवं असाधारण मदों के पश्चात)	-9.17	-16.46	-4.69
4.	कर पश्चात अवधि का शुद्ध लाभ/(हानि) (अपवाद एवं/ अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	-9.17	-16.46	-4.69
5.	अवधि की कुल व्यापक आय (अवधि के सम्मिलित लाभ/(हानि) (कर पश्चात एवं अन्य व्यापक आय (कर पश्चात)	-9.17	-16.46	-4.69
6.	इक्विटी शेयर पूंजी	513.43	513.43	513.43
7.	रिजर्व (पुर्नः मूल्यांकित रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि गत वर्ष की अंकेषित बैलेंस शीट में दर्शाया गया है	-232.73	-232.73	-216.27
8.	प्रतिशेयर आय (प्रत्येक 1/-रुपया) (चालू एवं बंद संचालनों बाबद)			
	(क) बेसिक	-0.01	-0.03	0.00
	(ख) डाईल्यूटेड	-0.01	-0.03	0.00

नोटः 1. उपरोक्त विवरण स्टॉक एक्सचेंज में सेबी **(लिस्टिंग आब्लीगेशंस एण्ड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स)** के रेग्युलेशंस 2015 के विनिमय 33 के अन्तर्गत दाखिल तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सार है। तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत परिणाम स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाईट www.bseindia.com(s) एवं कम्पनी वेबसाईट पर भी उपलब्ध है। 2. गत अवधि के आंकड़ों को जहां-जहां आवश्यक हुआ, वहां-वहां पुनः वर्गीकृत व पुनः समूहीकृत किया गया है।

सिस्ट्रो टेलीलिंक लि. तर्फे
हस्ता./
नामः अरुण कुमार शर्मा (निदेशक)
DIN No.: 00 369461

तिथिः 14/08/2025
स्थानः इन्दौर